



सांध्य दैनिक

# उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ



हल्द्वानी

वर्ष 15 अंक 252 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु.

मंगलवार, 2 अप्रैल 2024

प्रियका चोपड़ा ने उठाया टाइगर...पेज-3 पर

## उत्तराखंड में पीएम मोदी का बड़ा वादा

# तीसरे कार्यकाल में बिजली का बिल शून्य करेंगे: मोदी



हल्द्वानी/रुद्रपुर

**हमारे संवाददाता** उत्तराखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली चुनाव रैली का मोदी मैदान में भव्य आयोजन हुआ और हजारों लोगों ने अपने प्रिय नेता मोदी को सुना। प्रातः से ही हजारों की संख्या में समर्थक मोदी मैदान में एकत्र हों गये। अपने ओजस्वी भाषण की शुरुआत मोदी ने इस प्रकार की कि इनकी भीषण धूप के बाद भी हजारों कि संख्या में लोगों को देखकर मैं इसे प्रचार सभा कहूँ या विजयसभा। उन्होंने कहा कि मैं जनता कि इस तपस्या को बेकार नहीं जाने दूँगा और इसे विकास के रूप में वापस लाएँगा। मोदी ने कहा कि देवभूमि में आने पर अपने को धन्य महसूस करता हूँ। उत्तराखंड का विकास भाजपा कि प्राथमिकता है। उत्तराखंड कि जनता भाजपा के साथ खड़ी है और भाजपा कि नीयत पर उसे विश्वास है, क्योंकि नियत सही तो नतीजे भी सही होते हैं। उत्तराखंड को तीसरी बड़ी ताकत बनाने का लक्ष्य लिया है और यह मोदी कि गारंटी है। मोदी ने कहा कि मेरे लक्ष्य है 24 घंटे बिजली और ज़ीरो बिल हों। इसके लिए योजना शुरू की गयी है सभी को सोलर योजना से जुड़ना चाहिये। महिला स्वयं सहायता समूह को लाखों का ऋण देकर आत्मनिर्भर भारत बनाने का प्रयास किया गया है। कांग्रेस पर प्रहार करते हुये मोदी ने कहा कि कांग्रेस का भरोसा लोकतंत्र में नहीं है। कांग्रेस



तुष्टिकरण के दलदल में डूबी है और उत्तराखंड कि जनता कांग्रेस के सत्य को जानती है। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ मैदान में है तो बाकि दल धृष्टाचारियों का समूह है। इस चुनाव में देश कि जनता ने इनको साफ करने का मन बनाकर मोदी के हाथों को मजबूत करने का संकल्प ले लिया है। सभा को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद प्रत्यासी अजय भट्ट सहित अनेको वक्ताओं ने सम्बोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, अजय टप्पा, कैबिनेट मंत्री सोरभ बहुगुणा, रेखा आर्य, विधायक बंशीधर भागत, अरविन्द पाण्डेय, शिव अरोरा, राम सिंह केडा, डॉ मोहन बिष्ट, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष साकेत अग्रवाल, जिला प्रभारी कैलाश शर्मा, जिलाध्यक्ष नैनीताल व उधमसिंह नगर सहित प्रमुख प्रदेश व जिला स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे।

### धूप में तपने की आपकी तपस्या को बेकार नहीं जाने दूंगा

मैदान में बैठे लोगों को धूप लगने पर पीएम मोदी ने कहा कि भीड़ के लिए पंखाल छोटा पड़ गया है। जितने लोग अंदर बैठे हैं उससे ज्यादा लोग बाहर धूप में तप रहे हैं। हमारी व्यवस्था में कुछ कमी रही इसके लिए मैं क्षमा मांगता हूँ। आपको विश्वास दिलाता हूँ कि धूप में तपने की आपकी तपस्या को बेकार नहीं जाने दूंगा। मैं इसे विकास कर करके लाँटा दूंगा। आपके प्यार के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। कहा कि यह चुनावी सभा भी ऐसे क्षेत्र में हो रही है जिसे मिनी इंडिया कहा जाता है। कहा कि यह देवभूमि और मिनी इंडिया का ही आशीर्वाद है कि वह उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के प्रति भाजपा का जो प्रेम जग जाहिर है। हमें उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाकर सबसे आगे लेकर जाना है।



## तीन मजिला मकान में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

**देहरादून** हमारे संवाददाता चकराता के पास म्यूंडा गांव में एक तीन मजिला मकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटें देख करमरे में सो रही महिला चौखती हुई बाहर दौड़ी। चकराता के तहसील अंतर्गत म्यूंडा गांव निवासी टीकम सिंह चौहान के देवदार की लकड़ी से बने तीन मजिला मकान में भीषण आग लग गई। पीड़ित भवन स्वामी टीकम सिंह चौहान ने बताया है कि घटना के समय उनकी मां मकान के आखिरी कमरे में सो रही थी, आग की लपटों से निकल रहे धुआं और दुर्गंध आने से अचानक से उनकी आंख खुली तो आग की लपटें देखकर दया रह गई। उन्होंने बताया कि बाहर निकलने के लिए मकान की दोनों साइड पर दरवाजे बन्द होने से मां दूसरे रास्ते से बाहर

निकल गई। पास के दूसरे मकान में परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे। मां ने शोर मचाकर सभी को जगाया। लेकिन तब तक आग ने मकान को अपने आगोश में ले लिया था। परिवार के सदस्यों सहित सभी ग्रामीणों ने पानी की बाल्टी से आग पर काबू करने की कोशिश की गई। गनीमत रही की आसपास के मकान तक पहुंचने से पहले ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचे राज्य उपनिरीक्षक जयलाल शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मकान में आग लगने का कारण बिजली की तार में शॉर्ट सर्किट है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित परिवार को लिखित तहदीर आने पर नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

## उत्तराखंड परिवहन नीर की खाद्य सुरक्षा अधिकारी से कराएंगे जांच

**हल्द्वानी** हमारे संवाददाता उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में पिलाया जा रहे पानी की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। इस मामले में रोडवेज प्रबंधन की ओर से पानी की जांच के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को पत्र भेजा जा रहा है। फिलहाल बसों में पानी की आपूर्ति रोक दी गई है। गौरतलब है कि रोडवेज प्रबंधन की ओर से प्रदेश र में चलने वाली वाल्वो बसों में यात्रियों को पानी की बोतल उपलब्ध कराई जाती है। इसके एवज में 13 रुपये का शुल्क भी लिया जाता है। यह पानी उत्तरा ङड परिवहन नीर नाम से पंजीकृत फर्म उपलब्ध कराती है। पिछले दिनों हल्द्वानी की वाल्वो बस में दूषित पानी की आपूर्ति को लेकर हंगामा इडा हो गया था। एक बार फिर बोते सोमवार की रात वाल्वो बस में दूषित पानी की बोतलें पहुंच



गई। इसे लेकर फिर ऐतराज जताया गया। इधर आज मंगलवार सुबह दिल्ली रूट पर जाने वाली तीन वाल्वो बसों में उत्तराखंड परिवहन नीर की आपूर्ति नहीं की गई। इधर हल्द्वानी डिपो एआरएम एसएस बिष्ट ने बताया कि जनस्वास्थ्य को देखते हुए पानी की जांच के लिए ाद्य सुरक्षा अधिकारी को पत्र भेजा जा रहा है। इसके बाद पानी की शुद्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। एआरएम ने बसअड्डे में जांची पेटियां: एआरएम बिष्ट ने बताया कि हल्द्वानी बस अड्डे स्थित उत्तराखंड परिवहन नीर की दुकान से पानी की जांच की गई। इस दौरान वहां रखी

को पत्र भेजा जा रहा है। इसके बाद पानी की शुद्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। एआरएम ने बसअड्डे में जांची पेटियां: एआरएम बिष्ट ने बताया कि हल्द्वानी बस अड्डे स्थित उत्तराखंड परिवहन नीर की दुकान से पानी की जांच की गई। इस दौरान वहां रखी

**रोडवेज बसों में उत्तराखंड परिवहन नीर की आपूर्ति की जाए ठप**  
उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी युनियन के प्रदेश अध्यक्ष कमल पपने ने बताया कि उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, हल्द्वानी, काठगोदाम आदि डिपो से चलने वाली वाल्वो बसों में यात्रियों को एक फर्म पानी की बोतलें मुहैया कराती है। जब पानी की शुद्धता पर सवाल खड़े हुए हैं तो प्रदेशभर में उत्तराखंड परिवहन नीर की आपूर्ति ठप कर दी जानी चाहिए।  
**भेजा पत्र**  
● वाल्वो बसों में पानी की आपूर्ति फिलहाल रोक की  
तमाम पेटियों की जांच की गई।



# अभिमत



## मिल गया मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉण्ड के मामले में सख्त टिप्पणी करके आग में घी डालने का काम किया है। आरोप-प्रत्यारोप पर मतदाता ध्यान नहीं देता है और वोट देते समय किसी लहर से बहुत कम प्रभावित होता है। विपक्षी पार्टियां मजबूत गठबंधन नहीं बना सकीं। सीटों का बंटवारा भी नहीं कर सकीं। भाजपा हर मामले में आगे है। गठबंधन के घटक दलों से सीटों के बंटवारे में सफलता मिली है। चुनावी समीकरण हल करने पर भाजपा द्वारा अकेले ही पूर्ण बहुमत हासिल करने की उम्मीद है। गठबंधन के अन्य दलों के उम्मीदवार भी जीतने वाली सीटों से ही मैदान में उतरे हैं। चुनाव के लिए चंदा हमेशा लिया जाता है।

भारतीय जनता पार्टी के पास सरकार की उपलब्धियों की लम्बी सूची है। इनकेवैसी की कोई गुंजाइश नहीं है। उपलब्धियों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा चमककारी चेहरा है। वर्ष 2014 और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के साथ ही दर्जनभर से अधिक राज्यों में विधानसभा चुनाव भी मोदी के चेहरे पर जीते गये हैं। राज्य सरकारों की उपलब्धियों का लेखाजोखा पेश न करके मोदी की जनसभाओं को सफल बनाने पर जोर लगाया जाता है। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य नेता केन्द्र की मोदी सरकार के कामों का उल्लेख करते हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस के घोटालों को मुद्दा बनाया गया था और करीब तीन दशक बाद केन्द्र में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। वर्ष 2019 में भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों के साथ भ्रष्टाचार मुक्त और घोटाला रहित सरकार को मुद्दा बनाया। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियों के पास कोई मुद्दा नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बोलते हुए जबान फिसल जाने पर अमर्यादित शब्द निकल जाते थे और विपक्ष अपने ही जाल में फंस जाता था। इलेक्टोरल बॉण्ड का मुद्दा विपक्ष के खाली हाथों को चुनावी जंग में हथियार जैसा मिल गया है। कांग्रेस का कहना है कि स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा घोटाला चुनावी बॉण्ड है। जिन कंपनियों ने चुनावी बॉण्ड के जरिये भाजपा को हजारों करोड़ रुपये का चंदा दिया है, विपक्ष का कहना है कि उन कंपनियों ने सरकार से फायदा उठाया है। विभिन्न कामों के ठेके मिले हैं। उत्तराखंड में सुरंग हादसे में फंसे 41 कर्मचारियों का मामला कांग्रेस उठा रही है। कांग्रेस का कहना है कि सुरंग बनाने वाली कंपनी ने करोड़ों रुपये का चंदा दिया तो उसे ठेका मिला। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉण्ड के मामले में सख्त टिप्पणी करके आग में घी डालने का काम किया है। आरोप-प्रत्यारोप पर मतदाता ध्यान नहीं देता है और वोट देते समय किसी लहर से बहुत कम प्रभावित होता है। विपक्षी पार्टियां मजबूत गठबंधन नहीं बना सकीं। सीटों का बंटवारा भी नहीं कर सकीं। भाजपा हर मामले में आगे है। गठबंधन के घटक दलों से सीटों के बंटवारे में सफलता मिली है। चुनावी समीकरण हल करने पर भाजपा द्वारा अकेले ही पूर्ण बहुमत हासिल करने की उम्मीद है। गठबंधन के अन्य दलों के उम्मीदवार भी जीतने वाली सीटों से ही मैदान में उतरे हैं। चुनाव के लिए चंदा हमेशा लिया जाता है। यह भी सच है कि कालेज का सबसे अधिक इस्तेमाल चुनाव में होता है। कांग्रेस और अन्य पार्टियां भी चुनाव के लिए चंदा ले रही हैं। सत्तारूढ़ दल को ज्यादा चंदा मिलना स्वाभाविक है और उस चंदे के बदले फायदा उठाना कोई नई बात नहीं है। यदि सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार नहीं किया होता तो मामला खुलता नहीं।

# डीएम ने किया चौड़ीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

नैनीताल हमारे संवाददाता

उच्च न्यायालय में नैनीताल की ट्रैफिक व्यवस्था के विषय में योजित जनहित याचिका के दृष्टित किए जा रहे उपायों के क्रम में जिलाधिकारी वंदना सिंह ने सोमवार को नगर के डीएसए, मैदान पार्किंग तथा मल्लीताल में रिक्शा स्टैंड के साथ ही बारापत्थर में किया जा रहे सड़क और चौड़ाई के चौड़ीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी वंदना सिंह ने बताया कि उच्च न्यायालय में एक याचिका नैनीताल की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर गतिमान है।



कहा कि नैनीताल नगर में ट्रैफिक जाम का मुख्य कारण पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था न होना, संकरी सड़कों और सड़कों पर बेतरतीब तरीके से वाहनों का खड़ा करना है। पार्किंग व्यवस्था का एडमिनिस्ट्रेशन की अलग-अलग एजेंसियों काम कर रही हैं, जिनमें नगर पालिका परिषद नैनीताल तथा जिला विकास प्राधिकरण, पीडब्ल्यूडी आदि द्वारा पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पार्किंग स्टैंड, चौड़ाहा का चौड़ीकरण करने तथा नौ पार्किंग जॉन, चिन्हिकरण का कार्य गतिमान है।

डीएम ने कहा कि नैनीताल की पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ होने से निश्चित ही नगर को जनता और यहां आने वाले पर्यटकों को लाभ होगा। पर्यटन सीजन में तात्कालिक व्यवस्थाओं के अनुरूप ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए शहर के 17 स्थानों को नौ पार्किंग जॉन के रूप में चिन्हित किया गया है। परिवहन विभाग को उक्त स्थानों पर प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने डीएसए मैदान पार्किंग एंटी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान आरडब्ल्यूडी, जिला विकास प्राधिकरण, जल संस्थान, पीडब्ल्यूडी, बीएसएनएल आदि विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए

## सेवानिवृत्ति पर जल निगम ने दी विदाई

नैनीताल शीमाताल स्थित अधिशासी अभियंता निर्माण शाखा उत्तराखंड पेयजल निगम में कार्यरत कुन्दन सिंह स्नूनीरि वर्क एजेंट को उनकी सेवानिवृत्ति पर जल निगम परिवार द्वारा विदाई दी गयी। विदाई समारोह में समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा स्नूनीरि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिशासी अभियंता अशोक कुमार प्रजापति के द्वारा की गयी। कार्यक्रम में सहायक अभियंता तथा अवर अभियंता,संगणक तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कुन्दन सिंह स्नूनीरि के परिवार के सदस्य तथा सेवा निवृत्त अधिकारी व कर्मचारियों ने भी अपनी-अपनी शुभ कामनाएं दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सभी ने उनके कार्यकाल की भूरि-भूरि सराहना की। समारोह का संचालन विरेन्द्र सिंह बिष्ट द्वारा किया गया।

## कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश ने कालाढूंगी किया क्षेत्र का दौरा

हल्द्वानी हमारे संवाददाता

कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने अपने गृह क्षेत्र कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। पीली कोठी स्थित एक वेंकट हॉल से उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें सभी क्षेत्रों से जनता का आशीर्वाद व समर्थन मिल रहा है। सभी कांग्रेस कार्यकर्ता चुनाव प्रचार में जुट गये हैं।



प्रकाश जोशी ने कहा कि अन्नदाता पिछले 1 साल से अपने वजूद को लड़ाई लड़ रहे हैं और भूमि बचाओ आंदोलन चला रहे हैं जो कि बहुत ही शर्मनाक बात है। राहुल गांधी जो पूरे देश में मजबूती से किसानों के सम्मान और न्याय को लड़ाई लड़ रहे हैं वैसे ही हम सब मिलकर उत्तराखंड के किसानों की हर लड़ाई को पूरी ईमानदारी के साथ लड़ेंगे।

जिलाधिकारी ने निकट रोडवेज बस स्टैंड तल्लीताल चौराहा चौड़ीकरण के लिए पुलिस चौकी और पोस्ट ऑफिस शिफ्ट करने के लिए कहा। बस स्टैंड पास गली में किए जा रहे लाइन शिफ्टिंग के कार्यों में जल संस्थान और यूपीसीएल द्वारा बरती गई ढिलाई पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी जताई और कार्य को पर्यटन सीजन से पूर्व शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

इस दौरान हल्द्वानी विधायक सुमित हद्वेश ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसा दल है जिसने हमेशा किसान और गरीब मसदूर वर्ग के दुख को समझा है

युवाओं के विकास को बाधित करने का कार्य किया गया है जिसका जवाब युवा अपने वोट के रूप में देंगे। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख भोला भट्ट, मिडिया प्रभारी नीरज तीवारी, संजय क्षेत्र के युवाओं के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा किया गया लेकिन भाजपा सरकार द्वारा लगातार इसकी अनदेखी कर

## फिल्मी दुनिया

# प्रियंका चोपड़ा ने उठाया टाइगर की रिलीज डेट से पर्दा



अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हाल ही में भारत से लौटकर यूएस पहुंचीं। अब वे अपने काम पर वापस आ चुकी हैं। अब अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपने नए प्रोजेक्ट की रिलीज डेट की घोषणा की, जिसका नाम टाइगर है। उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार फिल्म में मुख्य किदार अंबा नाम की बाधिन को अपनी आवाज दी है। प्रियंका ने यह भी बताया कि फिल्म भारत के जंगलों पर आधारित है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, टाइगर एक ऐसी कहानी है, जो जंगल को पकड़ती है और उसके भीतर होने वाली हर चीज को सामने लाती है- प्यार, संघर्ष, भ्रूख, अस्तित्व और बहुत कुछ की कहानियां। यह 22 अप्रैल को रिलीज होगी, जिसे विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। टाइगर आठ साल से बन रही थी। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी साझा करते हुए प्रियंका ने कहा कि भारत के हलचल भरे जंगलों में, जहां बड़े और छोटे, डरपोक और राजसी जीव घूमते हैं, वहां अंबा एक कालातीत विरासत वाली बाधिन है। वह अपने शावकों को इतने प्यार से देखभाल करती है कि मां और बच्चे के बीच का खूबसूरत रिश्ता बहुत ही शानदार ढंग से चमकता है।

रिलीज को लेकर उत्साहित प्रियंका चोपड़ा अब इसकी रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे इस अविश्वसनीय कहानी में अपनी आवाज देने और इस फिल्म के माध्यम से जंगलों की खोज करने में बहुत मजा आया। मैं आप सभी के साथ जंगल का आनंद लेने का इंजाार नहीं कर सकती। प्रियंका ने इससे पहले 2016 की फिल्म द जंगल बुक में अपनी आवाज दी थी, जिसमें शाहरुख खान, आर्यन खान, नाना पाटेकर, ओम पुरी और शेफाली शाह की आवाजें भी थीं।

## चार जिलों में बीएसएनएल के आठ आधार केंद्र ठप

अल्मोड़ा हमारे संवाददाता

बीएसएनएल के पूरे मंडल में आठ केंद्रों में आधार कार्ड बनाने का काम ठप है। इन केंद्रों में न तो नए आधार बन रहे हैं और न ही इनमें संशोधन हो रहा है। मंडल के अधीन अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत के लोग आधार बनाने और इनमें संशोधन के लिए भटकने के लिए मजबूर हैं। बीएसएनएल ने अल्मोड़ा, रानीखेत, द्वाराहाट, धारेश्वर, धारचूला, पिथौरागढ़, डोडीहाट, लोहाघाट, चंपावत कार्यालय में नौ आधार केंद्र स्थापित किए हैं। सिर्फ अल्मोड़ा केंद्र में ही आधार कार्ड बनाने और इसमें संशोधन का काम शुरू हो सका है। अन्य आठ केंद्रों में रजिस्ट्रार कोड स्वीकार नहीं होने से काम ठप है। मार्च में यूआईडीएआई ने बीएसएनएल के यूपी और उत्तराखंड के रजिस्ट्रार को अलग तो कर दिया, लेकिन मशीनी नया रजिस्ट्रार कोड



मंडल के आठ केंद्रों में आधार मशीन नया रजिस्ट्रार कोड नहीं ले रही है। सिर्फ अल्मोड़ा में काम शुरू हो सका है। जल्द मशीनों का संचालन कर लोगों को राहत पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सुनील चंदा, नोडल अधिकारी, उपमंडल अभियंता प्रवालन, अल्मोड़ा स्वीकार नहीं कर रही।

## News

## कॉन्ट्र

## रजिस्ट्रार बने श्रीकांत चन्द्र

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट के जस्टिस रजिस्ट्रार श्रीकांत चन्द्र की पदोन्नति रजिस्ट्रार (हाईकोर्ट केडर) पर हुई है। मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर रजिस्ट्रार विजिलेंस कौशल किशोर शुक्ला की ओर से 22 मार्च को उक्त आयोग की अधिसूचना जारी हुई है।

## रामनगर विधानसभा के लिए आईपीएस बानिया पुलिस प्रेक्षक नियुक्त

हल्द्वानी। भारत निर्वाचन आयोग ने गढ़वाल पौड़ी संसदीय क्षेत्र के विधानसभा निर्वाचन के लिए आईपीएस रोमिल बानिया को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। यह जानकारी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर व उपजिलाधिकारी राहुल साह ने दी है। उन्होंने बताया कि दो गढ़वाल लोक सभा क्षेत्र के 61 विधानसभा रामनगर के लिए बानिया को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव से स बन्धित शिकायत के स बन्ध में प्रेक्षक के मोबाइल नंबर 89793-75886 अथवा प्रेक्षक के कार्यालय सर्किट हाउस पौड़ी गढ़वाल में भी संपर्क किया जा सकता है।

**सेवायोजन कार्यालय में हुई कर्मियों की तैनाती अल्मोड़ा।** क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में कनिष्ठ सहायकों के चार रिक्त पदों के सापेक्ष तीन कर्मियों की तैनाती हुई है। ऐसे में विभाग के साथ ही बेरोजगारों को राहत मिलेगी। सेवायोजन कार्यालय में 17 पदों के सापेक्ष सात कर्मा ही तैनात हैं। मार्च में यहां तीन कनिष्ठ सहायकों की तैनाती हुई है। कर्मियों की तैनाती होने से अब रोजगार पंजीकरण, नवीनीकरण, रोजगार मेले, करिअर काउंसलिंग कार्यों को गति मिलने की गति मिलने की उम्मीद है।

## समाजसेवियों ने लावारिस शव का दाह संस्कार कराया

## हल्द्वानी

## हमारे संवाददाता

समाजसेवियों ने एक और लावारिस का अंतिम संस्कार कराया। बीते छह माह में अब तक समाजसेवी 55 शवों का दाह संस्कार करा चुके हैं। आज मंगलवार को समाजसेवी हेमंत गौनिया, अमित रस्तोगी व हरीश जोशी ने चित्रशिला घाट स्थित विद्युत

## मौसम की तरह जनता की थाह पाना मुश्किल, नैनीताल लोकसभा सीट ने दिग्गजों को चटाई धूल

## उत्तरांचल दीप

## सलीम खान, हल्द्वानी

लोकसभा सीटों के मामले में भले ही उत्तराखंड छोटे राज्यों में शुमार है, लेकिन यहां की राजनीति का दायरा राष्ट्रीयता है। मौसम की तरह ही यहां के राजनेताओं का मिजाज और जनता के मन की थाह पाना नामुमकिन है। शायद यही कारण है कि राजनीति के सुरमाओं को भी उत्तराखंड की धरती में अप्रत्याशित हार देखने को मिली है। खासकर नैनीताल-उधम सिंह नगर संसदीय सीट पर मुकामला हमेशा ही रोचक रहा है। आजादी के बाद से ही नैनीताल संसदीय सीट पर कांग्रेस का

दबदबा रहा है। नैनीताल संसदीय सीट पर 11 बार कांग्रेस, चार बार भाजपा और एक बार जनता दल प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। इस सीट से केंसी पंत इकलौते नेता रहे हैं जिन्होंने जीत की हैट्टिक लगाई है। हालांकि एनडी

तिवारी इस

सीट से चार बार चुनाव लड़े लेकिन जीत की हैट्टिक वह भी नहीं बना पाए। वर्ष 1989 में हुए आम चुनाव जनता दल के महेंद्र पाल ने जीत दर्ज की थी। 1991 में रामलहर में भाजपा के

बलराज पासी

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

नैनीताल

संसदीय सीट

इकलौती ऐसी सीट

रही है जिसने बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखा पड़ा है। इस सीट से दिग्गज नेताओं में शुमार एनडी तिवारी को तब हार का मुंह देखा पड़ा जब वह प्रधानमंत्री के प्रबल दावेदार थे। अलग राज्य बनने के बाद भी कांग्रेस की

विजयी रहे थे।

## नारायण दत्त तिवारी व हरीश रावत को करना पड़ा था हार का सामना

साल 1991 में अविभाजित उत्तर प्रदेश में सीएम रहे एनडी तिवारी ने नैनीताल लोकसभा सीट से अपनी किस्मत आजमाई। जबकि उत्तराखंड में सीएम रहे हरीश रावत ने साल 2019 में इस

सीट से चुनाव लड़ा था। दोनों ही कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता हैं। लेकिन साल 1991 और 1996 में और साल 2019 दोनों नेताओं को जनता ने नकार दिया था।

## हरदा को लोकसभा व विधानसभा चुनाव में झेलनी पड़ी थी हार

कांग्रेस ने बरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इकलौते ऐसा नेता रहे हैं जिन्हें इस सीट पर लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। 2019 के

लोकसभा चुनाव में हरीश रावत को अजय भट्ट ने 3 लाख से ज्यादा के अंतर हराया था। जबकि लालकृष्ण विधानसभा सीट पर भी उन्हें हार का मुंह देखा पड़ा था।

इस सीट पर मजबूत पकड़ रही। 2004 और 2009 के आम चुनाव में कांग्रेस के केंसी सिंह बाबा दो बार सांसद रहे।

लेकिन 2014 के बाद समाजवादी विपक्ष आए। 2014 और 2019 में भाजपा इस सीट पर विजयी रही।

## निजी कंपनी के चेक पोस्ट पर खनन वाहनों को लेकर विवाद, दो घायल

## बाजपुर

## हमारे संवाददाता

बाजपुर के पिपलिया स्थित कैलाश रिबर बैंड मिनरल एलएलपी के रायल्टी चेक पोस्ट पर वाहनों को लेकर पथराव और फायरिंग हो गई।

घटना हेल्पर सहित दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से दो राइफल, एक पिस्टल और एक खोखा बरामद किया है। पिपलिया स्थित कैलाश रिबर बैंड मिनरल एलएलपी के रायल्टी चेक पोस्ट पर वाहनों को लेकर पथराव और फायरिंग हो गई। घटना हेल्पर सहित दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से दो राइफल, एक पिस्टल और एक खोखा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर अज्ञात लोगों के मुकदमा दर्ज किया है। रविवार रात साढ़े बाराह बजे सुल्तानपुर पट्टी के गांव पिपलिया स्थित कैलाश रिबर बैंड मिनरल एलएलपी के चेक पोस्ट पर खनन वाहनों को लेकर विवाद हो



गया। इस दौरान हुई फायरिंग और पथराव से अमरुतफरी मच गई। घटना में सुल्तानपुर पट्टी के मोहल्ला आदर्शनगर निवासी मोहित और यूपी के गांव घोसीपुर रामपुर निवासी फरमान अली घायल हो गए। घायलों को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाजपुर कोतवाल मनोज रतूड़ी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। रातभर पुलिस बल तैनात रहा। पथराव से मौके पर खड़ी चार वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस टीम ने चेक पोस्ट कक्ष से दो राइफल और एक खोखा भी बरामद किए हैं। पांच दिन में माहिंग कंपनी के दो चेक पोस्ट पर दो घटनाएं हो चुकी हैं। बुधवार को

यूपी बार्डर दोराहा चेक पोस्ट पर खनन से भरें डंपर को रोकने पर दो पक्षों के बीच धक्का मुक्का हुई थी। इसमें मोहल्ला मजरा प्रभु निवासी विजय कुमार ने तहरीर देकर डंपर चालक पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में दोराहा पुलिस अभी जांच कर रही है। इधर सुल्तानपुर पट्टी स्थित पिपलिया चेक पोस्ट पर वाहनों को लेकर भी पथराव और फायरिंग की घटना हुई है। अनराम आर्य, सीओ बाजपुर ने बताया कि कंपनी मैनेजर विनय कुमार आहलुवालिया और सुल्तानपुर पट्टी निवासी माजिद तहरीर अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच सुल्तानपुर पट्टी पुलिस चौकी प्रभारी अर्जुन गिरी को सौंपी गई है। पुलिस ने मौके से माहिंग कंपनी के चेक पोस्ट से लाइसेंस दो राइफल, एक पिस्टल और एक खोखा बरामद किया है।

## हल्द्वानी

## हमारे संवाददाता

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तवावधान में जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अंडर-19 जिला लीग में दो मुकामले खेले गए। गोलापार स्थित मैदान में खेले गये मैच में हल्द्वानी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 ओवर में सभी विकेट खोकर 342 रन बनाये। परितोष राणा ने 124, पारस मेहरा ने 77, लक्ष्य नयाल ने 62 रन का योगदान दिया, गट्स एंड ग्लोरी के लिये पीयूष जंतवाल ने 4 जबकि प्रतीक तिवारी ने 3 विकेट लिये। जबवाव में खेलने उतरी जीएनजी की टीम ने निर्धारित लक्ष्य को 26 वें ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर पूरा कर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। ग टोम के लिये हर्षित सडाना ने 99 रन, लक्ष्य राज ने 96 रन के योगदान से टीम को विजय दिला दी। एसआरएस के लिये विशाल खाती ने 2 विकेट लिये।

## दवा के धोखे में पी लिया कीटनाशक, मौत

हल्द्वानी। एक महिला ने दवा के धोखे में कीटनाशक पी लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार हाथीखाल घोड़खाल निवासी कमला देवी (68) पत्नी भुवन चंद्र बोमर चल रही थी। मंगलवार को सुबह उन्होंने दवा के धोखे में कीटनाशक पी लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसे आनन फानन में सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## छात्र प्रिंस ने जवाहर नवोदय स्कूल की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की

## नैनीताल

## हमारे संवाददाता

पीरूमदार स्थित मेहरा पब्लिक स्कूल के द्वारा चलाये जा रहे गुरुकुल कार्यक्रम के परिणामस्वरूप स्कूल के 5वी कक्षा के छात्र प्रिंस ने जवाहर नवोदय स्कूल की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एडमिशन मेरिट सूची में स्थान पाया है। इस खबर से परिवार में खुशी का माहौल है। प्रिंस के पिता भारतीय सेना में सेवा दे रहे हैं वहीं मां स्कूल में टीचर हैं। प्रिंस ने इस सफलता का श्रेय



अपने शिक्षकों और माता-पिता को दिया है। मेहरा पब्लिक स्कूल के निदेशक पंकज सिंह मेहरा ने प्रिंस तथा उसके

परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रिंस को स्कूल ने अपने प्रमुख कार्यक्रम गुरुकुल के तहत तैयार किया था, और बताया कि सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए गुरुकुल कार्यक्रम एकवर्षीय और द्विवर्षीय रूप में स्कूल द्वारा संचालित किया जाता है। स्कूल निदेशक ने सभी माता-पिता से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए गुरुकुल कार्यक्रम से जुड़ने का आग्रह किया।

## सल्ट में नल से नहीं आया जल, टैंकर से बांटा पानी

## अल्मोड़ा

हमारे संवाददाता सल्ट के 25 से अधिक गांवों में पानी के लिए हाहाकार मचा है। पिछले आठ दिन से यहां के नल सूखे हैं। इससे 15 हजार से अधिक की आबादी परेशान है। हालांकि, जल संस्थान ने शनिवार को इलाके में टैंकर से पानी बांटा लेकिन यह नाकामो था। सल्ट के शशिखाल, तहसील चौक, जालीखान, ध्याड़ी, डहला, पीपलटनोला, कवराढेवा, नौपट्टवा, पोखरी, देवावल, हिनीला, रिक्कीसी, काने, खलपाटी, भिने, झण्डांवाव सहित 25 से अधिक गांवों की प्यास बुझाने के लिए एनडी शशिखाल-कुटेश्वर पंपिंग योजना से जलापूर्ति ठप है। इलाके में शनिवार को टैंकर से पानी बांटा गया।

टैंकर की सूचना मिलते ही लोग



खाली बर्तनों के साथ इसका इंतजार करते रहे। हालांकि कुछ देर बाद ही टैंकर खाली हो गया और लोग मायूस होकर घर लौटे। इसके बाद प्राकृतिक जल स्रोतों और हैंडपंप को दौड़ लगानी पड़ी। योजना से जलापूर्ति सुचारू न होने से लोगों में जल

संस्थान के खिलाफ आक्रोश है। संवाद पानी भरने में बीत रहा है समय: सल्ट क्षेत्र में प्राकृतिक जल स्रोतों का भी खासा अभाव है। बीते आठ दिनों से योजना का साथ न मिलने से क्षेत्र के लोग कई किमी दूर प्राकृतिक जल

स्रोतों की दौड़ लगाने के लिए मजबूर हैं। भीड़ अधिक होने से उन्हें अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में उनका अधिकतर समय पानी की व्यवस्था करने में बीत रहा है। जलापूर्ति कब सुचारू होगी, इसका स्पष्ट जवाब अधिकारियों के पास भी